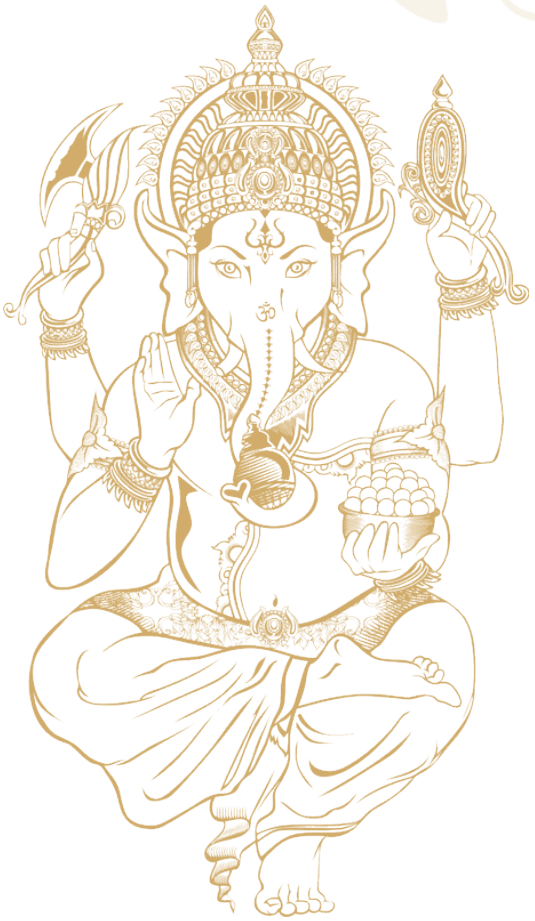

Naveen

Rashmi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119058607

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	26/06/1996
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 21:40:00	जन्म समय	18:30:00 घंटे
घटी 39:50:03	जन्म समय(घटी)	34:02:34 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Lachhmangarh
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:49:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	75:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:29:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	05:35:56
16:55:09	सूर्यास्त	19:29:26
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:33

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 5मा 17दि	01:05:17	कर्क	लग्न	वृश्चि	28:43:52	राहु 14वर्ष 9मा 21दि
केतु	21:00:11	तुला	सूर्य	मिथु	11:22:54	गुरु
25/04/2025	05:06:48	वृश्चि	चंद्र	तुला	09:01:47	19/04/2011
25/04/2032	21:13:29	तुला	मंगल	वृष	16:04:06	19/04/2027
केतु 21/09/2025	10:44:05	वृश्चि	बुध	वृष	25:00:04	गुरु 06/06/2013
शुक्र 21/11/2026	16:42:56	सिंह	गुरु व	धनु	19:57:56	शनि 18/12/2015
सूर्य 29/03/2027	04:34:58	कन्या	शुक्र व	वृष	18:37:08	बुध 25/03/2018
चन्द्र 28/10/2027	07:22:29	मक	शनि	मीन	13:10:17	केतु 01/03/2019
मंगल 25/03/2028	17:29:31	धनु व	राहु व	कन्या	19:39:51	शुक्र 30/10/2021
राहु 13/04/2029	17:29:31	मिथु व	केतु व	मीन	19:39:51	सूर्य 18/08/2022
गुरु 20/03/2030	17:05:41	धनु	हर्ष व	मक	09:53:00	चन्द्र 18/12/2023
शनि 29/04/2031	20:43:52	धनु	नेप व	मक	03:08:16	मंगल 23/11/2024
बुध 25/04/2032	26:19:24	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	07:02:31	राहु 19/04/2027

लग्न-चलित

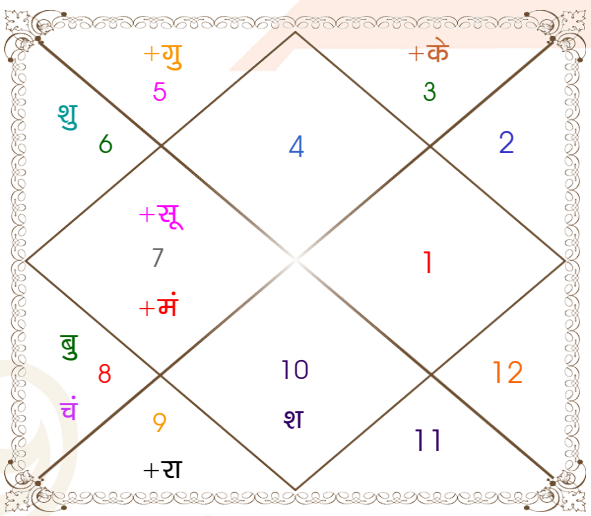

लग्न-चलित

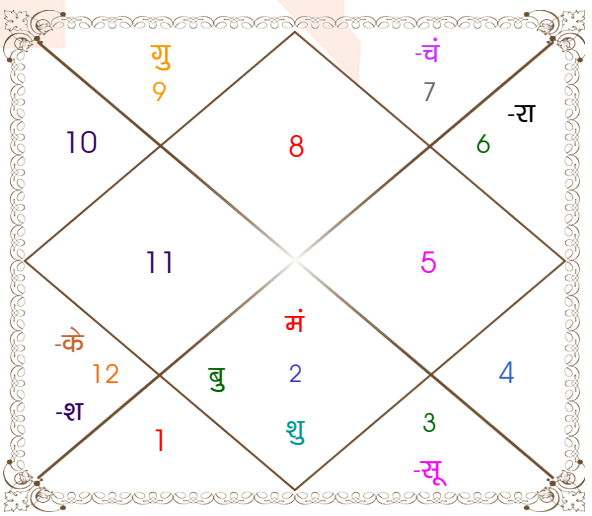

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Rashmi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Rashmi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Rashmi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rashmi कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rashmi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Naveen कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Naveen कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Rashmi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।